कविताएं नाद पैदा करती हैं : एचएस शिवप्रकाश

नई दिल्ली, 1 जून (नवोदय टाइम्स): कविता एक अविस्मरणीय नाद पैदा करती हैं, जिससे हम सब झंकृत होते हैं। उक्त विचार प्रख्यात कन्नड़ व अंग्रेजी कवि और नाटककार एच.एस. शिवप्रकाश ने साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित लेखक से भेंट कार्यक्रम के दौरान कहीं। इस दौरान उन्होंने अपनी कविताएं भी प्रस्तुत कीं और श्रोताओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम का आरंभ साहित्य अकादमी सचिव के. श्रीनिवासराव ने एचएस शिवप्रकाश को अंगवस्त्रम एवं पुस्तके भेंट कर किया। एच.एस. शिवप्रकाश ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं। उन्होंने कहा कि अपने लेखन के प्रारंभ में वे कविताएं स्वान्तः सुखायः यानि एक तरह से अपने को लिखे गए प्रेम-पत्र थे। लेकिन धीरे-धीरे इनमें बदलाव आया और यह अलग-अलग रूप ग्रहण करती गई। उन्होंने अपनी लंबी कविताओं को एकालाप बताते हुए अपने प्रथम संग्रह से मिलेरेप्पा कविता प्रस्तुत की।